स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना से ग्रामीण गरीबों को रोजगार मिलना–एक सर्वेक्षण

डॉ0 पूनम कुमारी

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एस.जी.एस.वाई.) ग्रामीण गरीबों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में एक समन्वित कार्यक्रम के रूप में 01 अप्रैल, 1999 को प्रारंभ की गई। इस योजना का उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे लोगों की मदद करके सामाजिक एकजुटता, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और आयसृजक परिसम्पत्तियों की व्यवस्था के जरिए उन्हें स्व–सहायता समूहों के रूप में संगठित करना है। यह कार्य बैंक ऋण एवं अनुदान (सब्सिडी) के जरिए किया जाता है। लोगों की अभिवृत्ति और कौशल, संसाधनों की उपलब्धता और बाजार की संभाव्यता के आधार पर चुने हुए मुख्य कार्यकलापों के द्वारा कार्यकलाप समूह की स्थापना पर यह योजना ध्यान देती है। इस योजना में प्रक्रियागत दृष्टिकोण और गरीब ग्रामीणों की क्षमता निर्माण पर बल दिया जाता है। इसलिए इसमें स्वयंसेवी सहायता समूहों के विकास और पोषण जिसमें कौशल विकास भी शामिल है, में गैर–सरकारी संगठनों/सी.बी.ओ.ज./व्यक्तियों/बैंकों को/स्व–सहायता संवर्द्धन संस्थान आदिको सुविधा प्रदाता के रूप में शामिल किया जाता है। योजना के तहत स्थानीय जरूरतों के मुताबिक सामाजिक मध्यस्थता और कौशल विकास प्रशिक्षण पर आने वाली लागत उपलब्ध कराई जाती है।